Padma Shri

DR. HEMANT KUMAR

Dr. Hemant Kumar is a renowned nephrologist, who has spent the previous four decades rendering professional and social services in the fields of Nephrology and public health, with a focus on improving kidney healthcare for newborns, children, women of reproductive age particularly during pregnancy, cancer patients, and the elderly, especially those from poor and marginalized communities.

2. Born on 2nd January, 1960, Dr. Kumar has a master's degree (MD) in Medicine and a doctorate degree (DM) in Nephrology. He is the first postgraduate from a medical college in Bihar to achieve the latter. He has headed the Department of Nephrology at Indira Gandhi Institute of Medical Sciences (IGlMS), Patna and Patna Medical College, Patna. During his tenure at IGIMS, he held a policymaking position as Member, Board of Governors and administrative positions as Deputy Medical Superintendent and Controller of Examinations. He has also served as President of Indian Society of Nephrology (East Zone). He is one of four members from the country chosen for central liaison committee of Indian Society of Nephrology which is instrumental in developing and suggesting key guidelines to policymakers to upgrade the management of kidney patients.

3. Dr. Kumar has pioneered the 3P model in Nephrology - Pediatric, Preventive and Palliative Nephrology, and is credited with introducing the technique of continuous ambulatory peritoneal dialysis (CAPD) in Bihar. He is also a leading promoter of deceased organ donation in the state, coining the now popular phrase “life beyond life”. He is the founder of the Patliputra National Kidney Foundation, the first of its kind in Bihar, under the banner of which he has organized World Kidney Day events for the past several years, visiting remote areas in the state to create public awareness of kidney health. He has helped impoverished patients identify and address health issues early, reducing the risk of complications and expensive treatment. He has also led the development of free dialysis services using limited resources at various hospitals.

4. In addition to his clinical and social contributions, Dr. Kumar has been an enthusiastic medical teacher and researcher. He has been actively involved with classroom and bedside teaching, and in delivering seminars and symposia. He has organized several innovative medical conferences, including groundbreaking conferences on Onco-Nephrology and Pediatric Nephrology. He has made significant research contributions on the topic of acute kidney injury in pregnancy, wherein his work was cited in Brenner and Rector's prestigious textbook "The Kidney”. His work on acute kidney injury in neonates twenty-five years ago, published in the Indian Journal of Nephrology, inspired many clinicians to pursue research work leading to improved neonatal kidney care in India.

5. Dr. Kumar has been awarded Fellowships of the International Society of Nephrology, Indian Society of Nephrology, Indian Society of Organ Transplantation and Indian Academy of Clinical Medicine. He has been conferred with the Guru Dronacharya Award by Avatar India (an association of nephrologists) to recognize his lifetime contribution in the field of Nephrology and the Life Time Contribution Award and Award for Excellence in Nephrology by Indian Society of Nephrology (East Zone) for his decades-long service. He was felicitated by Hon'ble Chief Minister of Bihar at the “Times Bihar Healthcare Achievers Award 2014” organized by Times of India, for his exemplary contributions in Nephrology.

डॉ. हेमन्त कुमार

डॉ. हेमन्त कुमार प्रसिद्ध नेफ्रोलॉजिस्ट हैं, जिन्होंने नवजात शिशुओं, बच्चों, प्रजनन आयु, विशेष रूप से गर्भावस्था की महिलाओं, कैंसर रोगियों और बुजुर्गों, विशेषतः वे जो गरीब और वंचित वर्ग के समुदायों से आते हैं, के लिए किडनी स्वास्थ्य सेवा में सुधार को प्रमुख महत्व देते हुए पिछले चार दशक नेफ्रोलॉजी और जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेशेवर और सामाजिक सेवाएं प्रदान करते हुए बिताए हैं।

2. 2 जनवरी, 1960 को जन्में, डॉ. कुमार के पास मेडिसिन में मास्टर डिग्री (एमडी) और नेफ्रोलॉजी में डॉक्टरेट की डिग्री (डीएम) है। वह बिहार के चिकित्सा महाविद्यालय से स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति हैं। वह इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस), पटना और पटना चिकित्सा महाविद्यालय, पटना में नेफ्रोलॉजी विभाग के अध्यक्ष रहे हैं। आईजीआईएमएस में अपने कार्यकाल के दौरान, वह नीति निर्माण वाले पदों पर रहे, गवर्नर बोर्ड के सदस्य रहे, उप चिकित्सा अधीक्षक और उन्होंने परीक्षा नियंत्रक के रूप में प्रशासनिक पदों का कार्यभार संभाला। इन्होंने इंडियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी (पूर्वी क्षेत्र) के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया है। वह भारतीय नेफ्रोलॉजी सोसायटी की केंद्रीय संपर्क समिति के लिए चुने गए देश के चार सदस्यों में से एक हैं, जो किडनी रोगियों के प्रबंधन को समुन्नत करने के लिए नीति निर्माताओं को प्रमुख दिशा–निर्देश तैयार करने और सुझाव देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

3. डॉ. कुमार ने नेफ्रोलॉजी में 3पी मॉडल – पीडियाट्रिक, प्रिवेंटिव और पैलिएटिव नेफ्रोलॉजी की शुरूआत की है, और बिहार में निरंतर एम्बुलेटरी पेरिटोनियल डायलिसिस (सीएपीडी) की तकनीक शुरू करने का श्रेय उन्हीं को जाता है। वह राज्य में मृत व्यक्ति के अंग दान के प्रमुख प्रोत्साहनकर्ता भी हैं और एक लोकप्रिय कथन "लाइफ बियोन्ड लाइफ" दिया है। वह पाटलिपुत्र नेशनल किडनी फाउंडेशन के संस्थापक हैं, यह बिहार में अपनी तरह का पहला फाउंडेशन है, जिसके बैनर तले किडनी की स्थिति के बारे में जन जागरूकता पैदा करने के लिए राज्य के दूरदराज के क्षेत्रों का दौरा करते हुए उन्होंने पिछले कई वर्षों से विश्व किडनी दिवस के कार्यक्रमों का आयोजन किया है। इन्होंने गरीब रोगियों की स्वास्थ्य समस्याओं का शीघ्र पता लगाने और उनके निदान में भी सहायता की है, इससे रोग संबंधी जटिलताएं और महंगे उपचार का जोखिम कम हुआ है। इन्होंने कई अस्पतालों में सीमित संसाधनों का उपयोग करके निःशुल्क डायलिसिस सेवाओं के विकास में भी अग्रणी भूमिका निभाई है।

4. अपने नैदानिक और सामाजिक योगदान के अलावा, डॉ. कुमार उत्सुक चिकित्सा शिक्षक और शोधकर्ता हैं। वह कक्षा और बेडसाइड टीचिंग तथा सेमिनार और संगोष्ठी करने में सक्रिय रूप से सफल रहे हैं। उन्होंने कई अभिनव चिकित्सा सम्मेलनों का आयोजन किया है, इनमें ऑन्को–नेफ्रोलॉजी और बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी पर अभूतपूर्व सम्मेलन शामिल हैं। उन्होंने गर्भावस्था में किडनी की गंभीर इंजरी के विषय पर महत्वपूर्ण शोध योगदान दिया है, इस संबंध में ब्रेनर और रेक्टर की प्रतिष्ठित पाठ्यपुस्तक "किडनी" में उनके काम का उल्लेख किया गया। इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी में प्रकाशित पच्चीस वर्ष पहले नियोनेट्स में एक्यूट किडनी इंजरी पर उनके काम ने कई चिकित्सकों को भारत में नवजात किडनी देखभाल में सुधार के लिए अनुसंधान कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

5. डॉ. कुमार को इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी, इंडियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी, इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन और इंडियन एकेडमी ऑफ क्लिनिकल मेडिसिन की फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। इन्हें नेफ्रोलॉजी के क्षेत्र में उनके आजीवन योगदान के सम्मानस्वरूप अवतार इंडिया (नेफ्रोलॉजिस्ट संघ) द्वारा गुरु द्रोणाचार्य पुरस्कार तथा इंडियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी (पूर्वी क्षेत्र) द्वारा उनकी दशकों लंबी सेवा के लिए नेफ्रोलॉजी में लाइफटाइम कंट्रीब्यूशन पुरस्कार और अवार्ड फॉर एक्सीलेंसी इन नेफ्रोलॉजी से सम्मानित किया गया है। उनको टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित "टाइम्स बिहार हेल्थकेयर अचीवर्स अवार्ड 2014" में नेफ्रोलॉजी में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए बिहार के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया।